खंड LXI की सूची - भारिबैंक बुलेटिन 2007

क्रम सं.	भाषण	पृष्ठ सं.
1.	ग्रामीण बैंकिंग : समीक्षा एवं भविष्य - या.वे.रेड्डी	1-8
2.	भारत में भुगतान संतुलन की गतिशीलता - या.वे.रेड्डी	9 -19
3.	शहरी सहकारी बैंक - बैंकों का क्रमिक विकास, कंपनी संचालन में वर्तमान मुद्दे और उनके विनियमन और पर्यवेक्षण में आनेवाली चुनौतियां - उषा थोरात	21-38
4.	समष्टि आर्थिक समायोजनों से संबंधित जोखिम : वैश्विक परिदृश्य - राकेश मोहन	221-234
5.	भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशों में निवेश -नीति और प्रवृत्तियों की विकासात्मक गति - श्यामला गोपीनाथ	235-242
6.	आम आदमी के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक क्या है - या.वे. रेड्डी	305-310
7.	भारत में मौद्रिक नीति निर्माण में वर्तमान चुनौतियां - राकेश मोहन	311-323
8.	दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग - उषा थोरात	325-333
9.	वित्तीय संस्थाओं पर नियंत्रकों की दृष्टि - या.वे.रेड्डी	403-404
10.	वैश्वीकरण और मौद्रिक नीति : कुछ उभरते मुद्दे - या.वे.रेड्डी	405-411

खंड LXI की सूची - भारिबैंक बुलेटिन 2007

11. आर्थिक दृष्टिकोण : एशिया और भारत के विषय में कुछ विचार - या.वे.रेड्डी 413-420

12. भारत में मौद्रिक नीति की संप्रेषणीयता - राकेश मोहन 421-472

13. भारतीय वित्तीय क्षेत्र के सुधार - वी. लीलाधर 473-483

14. स्थिरता के साथ वृद्धि प्राप्त करने में मौद्रिक नीति की भूमिका: भारतीय अनुभव - वाई.वी.रेड्डी 699-709

15. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में उप गवर्नर का वक्तव्य - राकेश मोहन 711-717

16. भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों की खास विशेषताएं - श्यामला गोपीनाथ 719-732

17. भारतीय अर्थव्यवस्था : पुनरीक्षण व भविष्य - या. वे. रेड्डी 931-939

18. भारतीय अर्थव्यवस्था के चुनिंदा पहलू - या. वे. रेड्डी 941-949

19. भारत-स्थिरता के साथ वृद्धि की सम्भावनाएं - या. वे. रेड्डी 951-960

20. भारत में वित्तीय बाजारों का विकास - राकेश मोहन 961-990

21. उदीयमान विश्व का बढ़ता प्रभाव - या.वे. रेड्डी 1081-1095

22. भारतीय अर्थव्यवस्था : समीक्षा, संभावनाएं तथा चुनिंदा मुद्दे - या.वे. रेड्डी 1097-1111

23. सांख्यिकी और सर्वेक्षणों पर यादृच्छिक विचार - या.वे. रेड्डी 1113-1117

24. खुली बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में जोखिम प्रबन्धन - राकेश मोहन 1119-1128

25. पूंजीगत लेखे का उदारीकरण और मौद्रिक नीति का संचालन : भारतीय अनुभव - राकेश मोहन 1129-1154

26. भारत की सांख्यिकीय प्रणाली : कुछ अनुचिन्तन - राकेश मोहन 1155-1163

27. वित्तीय समावेशन - भारतीय अनुभव - उषा थोरात 1165-1172

28. भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके वित्तीय क्षेत्र की झाँकी - या.वे.रेड्डी 1401-1409

29. मौद्रिक नीति की प्रथम तिमाही समीक्षा : अंतर्निहित समष्टि अर्थशास्त्र - राकेश मोहन 1411-1421

30. भारत में मौद्रिक नीति संबंधी गतिविधियां : एक समीक्षा - या.वे. रेड्डी 1613-1622

31. भारत : विकास और सुधार के अनुभव तथा संभावनाएं - या.वे.रेड्डी 1623-1639

32. रिज़र्व बैंक तथा राज्य सरकारें : प्रगति में भागीदार - या.वे.रेड्डी 1641-1656

33. वित्तीय बाज़ार की हाल की घटनाएं और मौद्रिक नीति पर उनके निहितार्थ - राकेश मोहन 1657-1667

34. बासेल II के कार्यान्वयन हेतु भारत की तैयारी - वी. लीलाधर 1669-1674

35. बासेल II और ऋण जोखिम प्रबंधन - वी. लीलाधर 1675-1683

36. विदेशी मुद्रा भंडार, स्थिरीकरण निधियां तथा सरकारी धन निधियां: भारतीय संभावनाएं - या.वे.रेड्डी 1943-1948

37. बदलते विश्व में 60 के पड़ाव पर भारत : अगले 20 वर्ष - या.वे.रेड्डी 1949-1951

38. भारतीय अर्थव्यवस्था : कतिपय परिदृश्य - वाई.वी. रेड्डी 1953-1963

39. मौद्रिक नीति के अंतरराष्ट्रीय आयामों पर एनबीईआर सम्मेलन में नीतिगत पैनल उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा प्रबंधन : चिंताएं और दुविधाएं - राकेश मोहन 1965-1971

40. ग्राहक केन्द्रीयता और रिज़र्व बैंक - वी. लीलाधर 1973-1980

41. भारतीय व्युत्पन्नी बाज़ार - एक विनियामक एवं प्रसंगाश्रित परिप्रेक्ष्य - श्यामला गोपीनाथ 1981-1991

42. भारतीय रिज़र्व बैंक की विकासमूलक भूमिका : हाल की गतिविधियाँ - वाई.वी.रेड्डी 2147-2161

43. भारत में विकसित होता ऋण बाजार:समीक्षा और संभावनाएँ - वाई.वी.रेड्डी 2163-2168

44. वृद्धि और रोजगार के लिए वित्तीय क्षेत्र की नीतियाँ - वाई.वी.रेड्डी 2169-2176

45. वैश्विक गतिविधियाँ और भारतीय परिदृश्य: कुछ छिटपुट विचार - वाई.वी.रेड्डी 2177-2184

46. इक्कीसवीं सदी में शहरीकरण और वैश्वीकरण : उभरती चुनौतियाँ - राकेश मोहन 2185-2197

47. भारत के वित्तीय क्षेत्र सुधार : वृद्धि को प्रोत्साहन और जोखिम को रोकना - राकेश मोहन 2199-2226

48. भारत में बैंककारी विनियमन का विकास - कुछ पहलुओं पर एक पूर्वावलोकन - वी.लीलाधर 2227-2238

क्रम सं.	लेख	पृष्ठ सं.
1.	2006-07 की पहली छमाही के दौरान निजी कंपनी कारोबार क्षेत्र का कार्य-निष्पादन	39-53
2.	भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी - जून 2006	55-88
3.	भारत का विदेश व्यापार : 2006-07 (अप्रैल-नवंबर)	89-102
4.	औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्याओं की नई श्रृंखला (आधार : 2001=100)	243-251

खंड LXI की सूची - भारिबैंक बुलेटिन 2007

5. उत्तर-पूर्व मानसून 2006 - एक विहंगम दृष्टि 253-258

6. राज्य सरकारों का वित्त- 2006-07: मुख्य-मुख्य बातें 259-294

7. निजी लिमिटेड कंपनियों के वित्त : 2004-05 335-381

8. भारत का विदेश व्यापार : 2006-07 (अप्रैल-दिसंबर) 383-395

9. भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी - सितंबर 2006 485-518

10. भारत का विदेश व्यापार : 2006-07 (अप्रैल-जनवरी) 519-532

11. केंद्रीय बजट 2007-08: समीक्षा और मूल्यांकन 733-798

12. रेलवे बजट 2007-08: समीक्षा और मूल्यांकन 799-815

13. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों के वित्त: 2004-05 817-852

14. भारत का विदेश व्यापार: 2006-07 (अप्रैल-फरवरी) 853-865

15. बड़ी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के वित्त : 2005-06 991-1043

16. भारत का विदेश व्यापार: 2006-07 (अप्रैल-मार्च) 1045-1056

17. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश संविभाग, 2006 (31 मार्च की स्थिति के अनुसार) 1173-1209

18. भारत की अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी - दिसम्बर 2006 1211-1250

19. राष्ट्रीय आय, 2005-06 के त्वरित प्राक्कलन और राष्ट्रीय आय, 2006-07 के संशोधित प्राक्कलन : पुनरीक्षण 1251-1269

20. भारत का विदेश व्यापार : 2007-08 (अप्रैल) 1271-1281

21. कंपनी निवेश : वर्ष 2006-07 में वृद्धि और वर्ष 2007-08 के लिए संभावनाएँ 1423-1433

22. भारत का विदेश व्यापार : 2007-08 (अप्रैल-मई) 1435-1447

23. भारतीय अर्थव्यवस्था के निधि प्रवाह खाते 1994-95 से 2000-01 1459-1537

24. निजी कारपोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन - 2006-07 1539-1559

25. चयनित आर्थिक समय श्रृंखलाओं के मासिक मौसमी कारक 1561-1593

26. भारत में औद्योगिक उत्पादन : 2006-07 1595-1604

27. भारत का बाह्य ऋण - जून 2007 की समाप्ति पर 1685-1710

28. वित्तीय और निवेश कम्पनियों का कार्य-निष्पादन : 2005-06 1711-1738

29. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के पास जमाराशियों की संरचना तथा स्वामित्व का स्वरूप : मार्च 2006 1739-1763

30. भारत का विदेश व्यापार : 2007-08 (अप्रैल-जुलाई) 1765-1776

31. पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों के वित्त, 2005-06 1993-2038

32. भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी : मार्च 2007 2039-2073

33. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की देयताएं और आस्तियां (1991-92 से 2005-06) 2075-2100

34. दक्षिण-पश्चिमी मानसून - 2007 :एक विहगावलोकन (1 जून से 30 सितम्बर 2007 तक) 2101-2108

35. भारत का विदेश व्यापार : 2007-08 (अप्रैल-अगस्त) 2109-2120

36. भारत का विदेश व्यापार : 2007-08 (अप्रैल-सितंबर) 2239-2250

क्रम सं.	रिपोर्ट	पृष्ठ सं.

1. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-08 से 2011-12) के संबंध में बचतों पर कार्य दल की रिपोर्ट 867-922

क्रम सं.	नियमित मदें	पृष्ठ सं.

1. वर्ष 2006-07 की वार्षिक मौद्रिक नीति की तीसरी तिमाही की समीक्षा के संबंध में डॉ.या.वे.रेड्डी, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक का वक्तव्य 111-138

2. समष्टि आर्थिक और मौद्रिक विकास: तीसरी तिमाही की समीक्षा - 2006-07 139-220

3. वर्ष 2007-08 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर, डॉ. वाइ.वेणुगोपाल रेड्डी का वार्षिक नीति वक्तव्य 547-606

4. 2006-07 की समष्टि आर्थिक और मौद्रिक गतिविधियां 607-697

5. वर्ष 2007-08 की वार्षिक मौद्रिक नीति की प्रथम तिमाही की समीक्षा के संबंध में डॉ. या. वे. रेड्डी, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, का वक्तव्य 1295-1322

6. समष्टि आर्थिक और मौद्रिक विकास - प्रथम तिमाही की समीक्षा - वर्ष 2007-08 1323-1399

7. वर्ष 2007-08 की वार्षिक नीति की मध्यावधि समीक्षा के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. वाई. वेणुगोपाल रेड्डी का वक्तव्य 1789-1843

8. व्यापक आर्थिक और मौद्रिक गतिविधियां - मध्यावधिक समीक्षा, 2007-08 1845-1927

प्रेस प्रकाशनी

विनियामक और अन्य उपाय

विदेशी मुद्रा गतिविधियां

वर्तमान सांख्यिकी

क्रम सं.	संपूरक	प्रकाशन का माह तथा वर्ष

1. भारतीय रिज़र्व बैंक वार्षिक रिपोर्ट : 2006-07 सितंबर 2007

2. वित्तीय एवं बैंकिंग सांख्यिकी के संबंध में मैनुअल अक्तूबर 2007

विविध मदें	पृष्ठ सं.
द्वितीय पी.आर.ब्रह्मानंद स्मारक व्याख्यान	
संचालन (गवर्नेंस) संस्थाएं तथा विकास अविनाश के.दीक्षित जॉन जे.एफ. शेरर्ड, 52 यूनिवर्सिटी प्रो. ऑफ इकॉनामिक्स, प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी	1069-1080
रिज़र्व बैंक के अभिलेखागार के स्थापना दिवस संबंधी व्याख्यान	
प्रभावी केंद्रीय बैंकिंग के तत्त्व : सिद्धांत, व्यवहार तथा इतिहास मार्विन गुडफ्रेंड, प्रोफेसर, टेपर स्कूल ऑफ बिजनेस, कार्नेगी मैलॉन यूनिवर्सिटी	1929-1941
सी. डी. देशमुख स्मारक व्याख्यान	
सावधान ! मौद्रिक नीति की चुनौतियाँ तूफानी दौर से गुजर रही हैं - टी.टी.एम्बोवेनी	2127-2134
एल. के . झा स्मारक व्याखान	
वैश्वीकृत परिवेश में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बढ़ता महत्व और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना के लिए इसका निहितार्थ - जीन क्लॉड ट्रिशे	2135-2145

2007 के अंकों की पृष्ठ संख्याएं

2007	लेख/ भाषण और अन्य सामग्री
जनवरी	1 - 110
फरवरी	111 - 304
मार्च	305 - 402
अप्रैल	403 - 545
मई	547 - 930
जून	931 - 1067
जुलाई	1069 - 1294
अगस्त	1295 - 1457
सितंबर	1459 - 1612
अक्तूबर	1613 - 1787
नवंबर	1789 - 2126
दिसंबर	2127 - 2264